



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 515] नई दिल्ली, बुधवार, नवम्बर 10, 1982/कार्तिक 19, 1904
No. 515] NEW DELHI, WEDNESDAY, NOV. 10, 1982/KARTIKA 19, 1904

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

उद्योग संस्थान
(भारी उद्योग विभाग)
आदेश

नई दिल्ली 10 नवम्बर, 1982

का०जा० 793(अ).—उद्योग (विकास तथा वित्तियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का
65) की धारा 18 छ भाग प्रबल शक्तियाँ का प्रयोग करने द्वारा उद्योग सरकार एतद्वारा दा
पट्टि वाले वाहन (युनः निर्यात पर निर्बन्धन) अधिनियम, 1981 में निम्नलिखित संशोधन करती है,
अर्थात् :—

1. (1) इस अधिनियम का नाम दा पट्टि वाले वाहन (युनः निर्यात पर निर्बन्धन) संशोधन
अधिनियम, 1982 है ।

(2) यह राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख का प्रबल होगा ।

953GI/82

(1)

2 दो पहिए वाले वाहन (पुनः विक्रय पर निबन्धन) आदेश 1981 में,—

(क) खण्ड 2 में,—

(i) मद (1) के स्थान पर निम्नलिखित मद रखी जायेगी, अर्थात् :—

“(1) “दो पहिए वाले वाहन” से कोई भी शक्ति चालित वाहन परिभाषित है जिसका विमोचन या समजन भारत में पूर्णतः या भागशः आयातित हिस्से-पुर्जों से किया गया है और इसके अन्तर्गत ऐसे वर्णन का प्रत्येक मोटर वाहन है, चाहे उसका नाम स्कुटर, स्कूटरेट, मोटर साइकिल, मिनी-मोटर साइकिल, मोपेड है अथवा चाहे कोई अन्य नाम है।”

(2) मद (4) लुप्त कर दी जायेगी।

(ख) अनुसूची लुप्त कर दी जायेगी।

[सं 7(40)/81-ए०ई०आई०(I)]

मुद्राण गुप्त, समुक्त सचिव

टिप्पण.—मूल “दो पहिए वाले वाहन (पुनः विक्रय पर निबन्धन) आदेश, 1981” जो भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग II खण्ड 3 खण्ड (ii) में 8 अक्टूबर, 1981 को सं० आ० सं० 735(अ) के अन्तर्गत प्रकाशित किया गया था ;

[फाइल सं० 7 (40)/81-ए०ई०आई०(I)] ।

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Heavy Industry)

ORDER

New Delhi, the 10th November, 1982

S.O. 793(E).—In exercise of the powers conferred by section 18G of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby makes the following amendment to the Two Wheeler Vehicles (Restrictions on Re-sale) Order, 1981 namely :—

1. (1) This order may be called the Two Wheeler Vehicles (Restriction on Re-sale) Amendment Order, 1982.

(2) It shall come into force on the date of its publication in the Official Gazette.

2. In the Two Wheeler Vehicles (Restriction on Re-sale) Order, 1981,—

(a) in Clause 2,—

(i) for item (1) the following item shall be substituted, namely :—

“(1) “two wheeler vehicle” means any powered two wheeler manufactured or assembled in India from imported components wholly or partly and includes every such description of motor vehicles, whether called

a scooter, scooterette, motor-cycle, mini-motor cycle, moped or by any other name."

- (ii) Item (4) shall be omitted.
- (b) the schedule shall be omitted.

[No. 7(40)/81-AEI(I)]

M. C. GUPTA, Jt Secy.

NOTE :--Original "Two Wheeler Vehicles (Restriction on Re-sale) Order, 1981" published in the Gazette of India Extraordinary in Part II-Section 3-Sub-Section (ii) on 6th October, 1981 vide S.O. No. 735(E), (File No. 7-40/81-AEI(I)).

